सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 24

मई - 2022

चयनित आदर्श गाँव

महिला स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम

नांदियाकला (राजस्थान)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत आदर्श गाँव नांदियाकला में संस्था द्वारा पाँच आयामों शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वावलंबन पर कार्य किया जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य के विषय के अंतर्गत महिला स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वेदों में ऐसा कहा गया है कि **यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता** अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आज महिलाएं ना केवल अपने बच्चे और परिवार को संभाल रही है बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। लेकिन घर की व्यस्त दिनचर्या के बीच महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान नहीं दे पाती है और वे अक्सर बीमार रहती है।

मुख्य वक्ता डॉ. रत्ना देवी (ए.एन.एम.) ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आप हर दिन स्वयं के लिए थोड़ी देर ही समय निकालकर योग, ध्यान, प्राणायाम करें तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकती हैं। साथ ही गर्भवती महिलाओं के लिए सरकार के माध्यम से चलाए जाने वाले **मातृ ममता कार्ड योजना** के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। प्रसव के दौरान होने वाली समस्या और उनके निदान के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही 20 गर्भवती महिलाओं और शिशुओं का टीकाकरण भी किया गया। नि:शुल्क आयरन व कैल्शियम की गोली भी बांटी गई। कार्यक्रम में कुल 40 महिलाएँ उपस्थित रही।

Documentary

facebook

अन्य कार्य -

- मिनीपीडीसी में 60 बच्चों ने भाग लिया। इसमें मे. ज. नरपतसिंह राजपुरोहित जी, आ. सम्पत राज सिंह जी, आ. मुकेश जी, श्री प्रमोद जी, उपस्थित रहे।
- गिरिभाकर गोसाईं जी मंदिर में पुल निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम।
- सत्यभामा स्वयं सहायता समूह का खाता खोला गया।
- महाराणा प्रताप वाटिका में भामाशाह के माध्यम से पौधे को पानी देने का काम किया गया।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की पहल

नगलावर, मथुरा (उ.प्र.)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत गाँव को आदर्श बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इसी क्रम में ब्रज क्षेत्र के आदर्श गाँव नगलावर में महिला स्वाबलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. निहाल सिंह चौहान (संस्थापक-मिशन चलो गाँव की ओर) उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में गाँव की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए चल रही सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया।

स्वयं सहायता समूहों के स्वरोजगार के उदाहरण भी दिए। साथ ही महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया। संकोच के कारण महिलाएं अपनी बीमारियों को किसी को नहीं बताती, जो भविष्य में बड़ा रूप ले लेती है। सभी को स्वास्थ के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ होने वाली बीमारियों से निजात पाने के उपाय भी बताये। इस कार्यक्रम में गाँव की करीब 30 महिलाएं उपस्थित रही।

अन्य कार्य

- गाँव में मिनीपीडीसी का आयोजन किया गया, जिसमें 50 बच्चों ने भाग लिया।
- मंदिर भजन-कीर्तन एवं 7 दिवसीय भावगत कथा का आयोजन किया गया, इसमें समस्त ग्रामीणों ने भाग लिया।

Documentary facebook

जन सहयोग से हुई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

फफूण्डा, मेरठ (उ.प्र.)

सूर्या फाउण्डेशन, गाँव में फैली कुरीतियों को दूरकर गाँव के सभी वर्ग के लोगों को एक सूत्र में बांधने का कार्य भी कर रहा है। समाज को जोड़ने व सामाजिक समरसता लाने में धार्मिक मान्यताओं और पूजा स्थलों की भूमिका प्राचीन समय से रही है। इसी क्रम में आदर्श गाँव फफूण्डा में नव-निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्री राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापित कर प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में आयोजित विविध धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले मंदिर में हवन पूजन कार्यक्रम हुआ।

अन्य कार्य -

- मिनीपीडीसी में 55 बच्चों ने भाग लिया।
- संस्कार केंद्र पर क्राफ्टिंग फैब्रिक आर्ट बनाना सिखाया गया।
- 100 किसानों की किसान सम्मान निधि की E-KYC करवाई गई।

इस मौके पर उपस्थित गाँव के ही रिटायर्ड आईएएस अधिकारी श्री ब्रह्मदत्त जी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे ऋषि-मुनि व सन्त हमें सदैव सामाजिक समरसता, भाईचारा, एकता, सेवा आदि का संदेश देते रहे हैं। हमें भी इनसे प्रेरणा लेकर माता-पिता, गुरु एवं जीव-जंतुओं की सेवा करनी चाहिए।

गाँव के बच्चे युवा एवं महिला स्वाबलंबी बने इसके लिए मंदिर प्रांगण में ही सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के तहत नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र और सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की गई। इस दौरान गाँव के प्रधान विपिन मोतला की अगुवाई में ग्रामीणों ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी ब्रह्मदत्त जी को कंप्यूटर, सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र एवं मंदिर निर्माण के लिए धन्यवाद दिया और विश्वास दिलाया कि यह केन्द्र ग्राम विकास का आधार बनेगा। ग्राम विकास में लगे कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर राज्य ऊर्जा मंत्री श्री सोमेन्द्र तोमर, कैण्ट के विधायक श्री अमित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

Documentary facebook

किसानों को निःशुल्क दिए गये ज्वार के बीज

मूण्डला (मध्य प्रदेश)

समाजसेवी संस्था सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत कई आयामों को लेकर कार्य कर रही है। गाँव को रासायनिक खेती से निजात दिलाने के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों को उपलब्ध कराने में भी सहयोग करता है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के मूण्डला गाँव में 35 किसानों को संस्था द्वारा निःशुल्क ज्वार के बीज वितरित किए गए। क्योंकि हमारा देश कृषि प्रधान देश है। हमारे देश की अर्थ व्यवस्था कृषि के ऊपर ही निर्भर है।

सूर्या फाउण्डेशन भी देशभर में अपने कार्ययुक्त अलग-अलग गाँवों में किसान गोष्ठी के आयोजन और बीज वितरण का कार्य कर रही है। साथ ही समय-समय पर किसानों को सब्जियों के बीज भी वितरित किए जाते हैं। जिससे उनको अपने घर में ही जैविक और ताजी सब्जी उपलब्ध हो सके। साथ ही उनकी आय का साधन भी बने।

फाउण्डेशन का प्रयास किसानों को कम खर्च और रसायनमुक्त कृषि से जोड़ना है। क्योंकि पिछले तीन-चार वर्षों से किसानों की सोयाबीन की फसल की पैदावार नहीं हो रही है और उसमें लागत भी अधिक है। इसलिए संस्था द्वारा किसानों के लिए ज्वार की खेती को एक विकल्प के रूप मे मानकर उसके उच्च गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराए गए हैं। ज्वार में बीज भी कम लगता है। साथ ही इसमें रसायन के प्रयोग की आवश्यकता नहीं होती है। जिससे लागत मूल्य कम आता है।

इससे किसानों का खर्च कम होगा। अगर किसानों को अपनी आय बढ़ानी है तो कम खर्च की खेती और पारंपरिक खेती के साथ साथ फसल चक्र को अपनाना होगा। संस्था का प्रयास है कि आगे भी गाँव में अधिक से अधिक किसानों को पारंपरिक खेती से जोड़ा जाए।

अन्य कार्य -

- 22 बच्चों ने ईको 50 ब्रिक्स तैयार किए गए।
- गाँव के 35 लोगों के ई-श्रम कार्ड बनाए गए।

ग्राम संगठन इकाई का हुआ प्रशिक्षण

कादीपुर, वाराणसी (उ.प्र.)

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में **सूर्या फाउण्डेशन** द्वारा चयनित आदर्श गाँव कादीपुर मे जहाँ बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देकर मानसिक रूप में विकसित किया जा रहा है तो वहीं युवाओं को खेल और योग के माध्यम से शारीरिक रूप से मजबूत किया जा रहा है। साथ ही बहनों को सिलाई के माध्यम से स्वावलंबी बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। गाँव की महिलाएं पहले बीड़ी बनाने का काम करती थी। परन्तु अब जनेऊ बनाने तथा छोटी-छोटी दुकानों के माध्यम से स्वरोजगार कर रही है।

इसी माह कादीपुर ग्रामसभा में 11 समूहों को मिलाकर एक ग्राम संगठन बनाया गया है। जिसका 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इस प्रशिक्षण शिविर मे कुल 145 महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षिका काशी विद्यापीठ ब्लॉक से बहन आशा एवं शान्ति जी ने पूरे दस दिन गाँव के प्राथमिक विद्यालय मे शिविर लगाकर प्रशिक्षण दिया। इस ग्राम संगठन का नाम दीपक आजिविका महिला ग्राम संगठन रखा गया। अध्यक्ष के रुप मे माधुरी जी को चुना गया। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा स्वावलंबन की दिशा में किये जा रहे छोटे-छोटे प्रयास एक बड़े संगठन के रुप दिखाई दे रहे हैं। कई महिलाएं स्वयं का रोजगार शुरू कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं। जिससे गाँव की महिलाओं व उनसे जुड़े परिवारों को आर्थिक रूप से मदद मिल रही है।

अन्य कार्य -

- मिनीपीडीसी में 65 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें कर्नल ऋषिदेव बिस्ट जी उपस्थित रहे।
- पंचायत के माध्यम से दस खम्भों पर एलईडी बल्ब लगाये गये।

किसान गोष्ठी का आयोजन

बसई का मझरा (उत्तराखण्ड)

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना, के अंतर्गत गाँवों में विभिन्न प्रकार के आयामों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, समरसता, स्वालंबन व स्वरोजगार के दिशा में काम कर रहा है। साथ ही साथ कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में भी संस्था किसानों को जागरुक करने का काम कर रही है। गाँव में प्रत्येक 6 माह के अंतराल में किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। आज के समय में किसान ज्यादा से ज्यादा फसल लेने के लालच में बहुत अधिक रसायनिक खाद एवं कीटनाशक दवाओं का प्रयोग कर रहे हैं। जिसके फल स्वरूप खेत बंजर होते जा रहे हैं। साथ ही रासायनिक खाद वाले अन्न खाकर लोग बीमार पड़ रहे हैं।

मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने एवं लोगों को बीमार होने से बचाने के लिए फसल बीमा के लाभ की जानकारी हेतु फाउण्डेशन द्वारा उत्तराखण्ड के आदर्श गाँव बसई के मंझरा में किसान गोष्ठी का आयोजन कर लोगों को जागरुक किया गया। मुख्य अतिथि श्री ओमपाल जी (विकास खंड प्रभारी कृषि), श्री कोली जी (जे.एस.उद्यान निरीक्षक), डॉ. नरेंद्र लाल जी (पशु चिकित्सा अधिकारी) कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसान भाइयों को संबोधित करते हुए श्री ओमपाल जी ने बताया कि पहले किसान जैविक तरीके से ही खेती करते थे। भले ही कम अन्न पैदा होता था, लेकिन वह पौष्टिक होता था। लोग बीमार नहीं होते थे। हमें अपने खेत को बंजर होने से बचाने के लिए पशुपालन को अपनाना होगा एवं रसायनिक खाद की जगह ऑर्गेनिक खाद का उपयोग करना होगा। सभी किसानों को आपस में भी जैविक खेती के लिए एक दूसरे को प्रेरित करना चाहिए, जिससे कि हम शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन प्राप्त कर सके।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री कोली जी ने बताया कि हम सभी किसान भाइयों को अपनी फसल का बीमा अवश्य कराना चाहिए। जिससे कि किसी भी प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना से फसल नष्ट, बर्बाद होती है तो हमे सरकार द्वारा उस फसल का भुगतान मिल सके। कार्यक्रम में कुल 40 किसान उपस्थित रहे।

अन्य कार्य -

- सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविर किया गया जिसमें कुल 65 बच्चें भाग लिया।

facebook

गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

पेण्ड्री (छत्तीसगढ़)

आदर्श गाँव पेण्ड्री में 3 दिवसीय गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमती अनीता साहू जी (पंचायत सदस्य), प्रो. कृष्ण द्विवेदी जी (प्रोफेसर), श्री अनीता वर्मा जी (सरपंच), श्रीमती चित्ररेखा जी (पंच) श्री शत्रुहन जी (सह जोन प्रमुख-सूर्या फाउण्डेशन), श्री सनत जी (क्षेत्र प्रमुख) सहित स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, युवा और ग्रामीणों की उपस्थिति रही। प्रशिक्षक संजय तिवारी जी ने धूपबत्ती, उपले, दीपक, साबुन, गोनाइल (फिनाईल), मंजन, समरानी कप आदि बनाना सिखाया।

मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता साहू जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज की भागदौड़ भरी दिनचर्या में गाँव की महिलाओं के पास परिवार, खेत, खलिहान और बाड़ी के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कामों की जिम्मेदारी रहती है। ऐसे समय में घर में रहते हुए इस प्रकार के कार्य को करना और सम्मान के साथ परिवार को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में यह गो उत्पाद प्रशिक्षण शिविर उनके जीवन में परिवर्तन लाने में सफलता दिलाने का कार्य करेगा।

सूर्या फाउण्डेशन की गाँव में सामाजिक परिवर्तन और आत्मनिर्भरता की परिकल्पना वास्तव में समाज को उठ खड़े होने, और आगे बढ़ने में सहयोग प्रदान कर रही है। चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या फिर युवाओं और माताओं-बहनों या किसानों के उत्थान के लिए कार्य हो। इन सभी क्षेत्रों में सूर्या फाउण्डेशन निरंतर कार्य कर रहा है।

शत्रुहन जी ने बताया कि सूर्या फाउण्डेशन का ध्येय है। **मेरा गाँव-मेरा बड़ा परिवार** और इसी उद्‌देश्य को सामने रखकर ग्राम विकास के लिए भारत के 18 राज्यों में सूर्या फाउण्डेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता, स्वालंबन पांच आयामों को लेकर कार्यक्रम चला रहे हैं। बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार, युवाओं में अपने गाँव के प्रति श्रद्धा, समरसता का भाव, महिलाओं में सशक्तिकरण के लिए स्वालंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ना, यह सारी उपलब्धियाँ सूर्या फाउण्डेशन की गतिविधियों के माध्यम से देखने को मिल रही है।

इस प्रशिक्षण शिविर में 59 महिलाओं ने भाग लिया और गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर में पूरा समय लगाकर उत्साह के साथ सीखा, जो कि गाँव में स्वरोजगार और स्वावलंबन की दिशा में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

पोषण वाटिका से किसानों को रोजगार

नयागाँव (हरियाणा)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना जैविक कृषि की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। देशभर के चयनित गाँवों में नि:शुल्क बीज वितरित कर लोगों को जैविक खेती के साथ-साथ रोजगार से भी जोड़ने का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में हरियाणा के नयागाँव के सेवाभावी रामअवतार जी को सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा सब्जियों के बीज उपलब्ध कराए गए। उन्होंने इन बीजों का रोपण अपनी खाली पड़ी जगह में किया। इसमें वह किसी भी प्रकार की कीटनाशक दवाई नहीं डालते हैं। उन्होंने उन सब्जियों को जैविक खेती के आधार पर तैयार किया है।

रामअवतार जी ने घर के लिए पिछले 6 माह से बाजार से कोई भी सब्जी नहीं खरीदी है। इसके साथ-साथ कुछ सब्जियों को तो बाजार में भी बेचकर कमाई भी कर लेते हैं। रामअवतार जी ने बताया कि आज हमसब बाजार की सब्जियां खाते हैं जिनमें बहुत सारी कीटनाशक दवाओं का उपयोग होता है, ये हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हैं। हम सभी जानते है कि भारत एक विशाल देश है और जिसकी आधी से ज्यादा जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है।

आज से कुछ दशक पहले की जानें वाली खेती और वर्तमान की खेती में एक बहुत बड़ा अंतर है। पहले खेती में रासायनिक पदार्थों का उपयोग नहीं किया जाता था। परन्तु जनसँख्या विस्फोट के कारण अन्न की मांग बढ़ने लगी और धीरे-धीरे लोगो नें कृषि उत्पादन बढ़ानें के लिए रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करना प्रारंभ कर दिया। जिससे नई-नई बीमारियों का भी जन्म हुआ है। सूर्या फाउण्डेशन लोगो को स्वस्थ रखने के लिए पुन: जैविक खेती से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। संस्था द्वारा लोगों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध करवाकर अनुभवी कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा मार्गदर्शन भी दिलवाने का कार्य किया जा रहा है।

देश हमें देता है

देश हमें देता है सबकुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।।
सूरज हमें रोशनी देता, हवा नया जीवन देती है। भूख मिटाने को हम सब की, धरती पर होती खेती है
औरों का भी हित हो जिसमें हम ऐसा कुछ करना सीखें।।1।। **देश हमें...**

गरमी की तपती दुपहर में, पेड़ सदा देते हैं छाया। सुमन सुगन्ध सदा देते हैं, हम सबको फूलों की माला।
त्यागी तरुओं के जीवन से, हम परहित कुछ करना सीखें।।2।। **देश हमें...**

जो अनपढ़ हैं उन्हें पढ़ाये, जो चुप हैं उनको वाणी दें। पिछड़ गये जो उन्हें बढ़ायें, प्यासी धरती को पानी दें
हम मेहनत के दीप जलाकर, नया उजाला करना सीखें।।3।। **देश हमें...**

महिला स्वावलंबन हेतु हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण

गोल्लापुरम् (आन्ध्र प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन – आदर्श गाव योजना के अंतर्गत स्वरोजगार एवं स्वावलंबन हेतु प्रकार के अनेक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमे गौ–उत्पाद, किसान गोष्ठी, हस्तशिल्प कला इत्यादि प्रमुख है। इसी क्रम में हिंदुपुर के पास स्थित आदर्श गाँव गोल्लापुरम् में 5 दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन भारतमाता चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में प्रशिक्षिका के नाते श्रीमती गायत्री जी ने गाँव के 30 बहनों को हस्तशिल्प कला का प्रशिक्षण दिया, जिसमे बहनों को आर्टिफिशियल ज्वेलरी, गले का हार, हाथ के कंगन, मांग टीका, कान की बाली आदि के साथ साथ बेकरी में नमकीन व केक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में अतिथि के रूप में श्रीमती उमा माहेश्वरी जी (एग्रीकल्चर विभाग) उपस्थित रही। शविर में महिलाओं ने बढ़–चढ़कर अपनी रुचि दिखाई और पूरे मन से सीखा। बहनों ने ज्वेलरी का काम आगे शुरू करके कई महिलाओं को रोजगार देने का भी निश्चय किया।

ग्राम समिति ने किया जल संरक्षण के प्रति जागरुक

सलोई (मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के सलोई गाँव को चयनित आदर्श गाँव की श्रेणी में रखकर कार्य शुरू किया गया, जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है। गाँव में पिछले कुछ वर्षों में पानी की समस्या हो रही है। खेती के लिए पानी पर्याप्त नहीं है। जल का स्तर भी नीचे पहुँच गया।

फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं और ग्राम विकास समिति ने मिलकर गाँव में जल संरक्षण अभियान की शुरुआत की। गाँव में जल संरक्षण के लिए रैली, गोष्ठी और बैठकों के माध्यम से जागरुकता अभियान चलाया गया, जिसके फलस्वरूप लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरुकता आई है। गाँव के 35 किसानों ने अपने खेतों में जल संरक्षण के लिए डबरियों (छोटे तालाब) का निर्माण कराया।

पंचायत और ग्राम विकास समिति के प्रयास से गाँव में नल जल योजना की शुरुआत भी हुई है। जिससे गाँव के लोगों को घर-घर तक पानी पहुँचाने में सहायता मिल रही है। सूर्या फाउण्डेशन के ध्येय और गाँव वालों का यही प्रयास है कि सलाई गाँव में पानी की समस्या धीरे-धीरे समाप्त हो।

अन्य कार्य -

- मिनीपीडीसी का आयोजन किया गया। 54 भैया-बहनों ने हिस्सा लिया।
- 5 सेवाभावियो द्वारा गाँव में स्वच्छता अभियान चलाया।
- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गाँव के 15 किसानों द्वारा अपने खेतों में गोबर का खाद बनाकर डाला है।

समाचार पत्रों की झलकियाँ...

महिला स्वास्थ्य जागरूकता एंव स्वाबलंबन कार्यक्रम संपन्न हुआ नगलावर में

मथुरा, 2 मई (विष्णु शर्मा)। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना द्वारा चयनित आदर्श गांव नगलावर में सूर्या फाउंडेशन एवं ''अनुभव'' चौहान समाज सेवा एवं शिक्षा समिति एन ए एफ एल के संयुक्त

तत्वाधान में महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वाबलंबन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महिला एंव किशोरी बालिकाओं में महावारी के दौरान स्वच्छता,स्वास्थ्य एवं रोजगार हेतु सेनेटरी नेपकीन पैड पिकअप सेंटर के बारे में संस्थापक निहाल सिंह चौहान ग्वालियर से चलकर आदर्श गांव नगलावर में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जिसमें उन्होंने

विश्व की आधी आबादी की अति आवश्यक उपयोगी वस्तु की पूर्ति हेतु प्राकृतिक (इको फ्रेंडली) सेनेटरी नैपकीन बनाना सीखे रोजगार से जुड़े स्थानीय संसाधनों से स्थानीय लोगों द्वारा स्थानीय उपयोग कार्यकताओं महिलाओं के लिए इको फ्रेंडली प्राकृतिक सेनेटरी नेपकीन पैड बनाने का प्रशिक्षण ले रोजगार स्थापित करे आदि शक्ति महिला शक्ति की सुरक्षा करें सशक्त एवं समृद्ध परिवार बनाएं समृद्ध देश बनाएं स्वच्छ भारत कौशल भारत मेक इन इंडिया अभियान को सफल बनाएं इस कार्यक्रम में मौजूद श्रीमान केंद्रपाल जी सिलाई शिक्षिका ममता जी अनिल राधा

व्यक्तित्व विकास शिविर का हुआ समापन

जोधपुर(द सांध्यदीप/हरीश शर्मा)। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत जोधपुर के नांदिया कला गांव में व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन मुकेश त्रिपाठी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गांव के भामाशाह व समाजसेवी संपत राज सिंघवी कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में गांव के सरपंच जसवंत सिंह भाटी एवं अतिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन के आदर्श गांव योजना प्रमुख प्रमोद आसरे रहे। कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। जिसमे योग पिरामिड, सूर्य नमस्कार, सांस्कृतिक एवं देश भक्ति गानो पर नृत्य, सामूहिक गीत, अनुभव कथन, मास पीटी इत्यादि का प्रदर्शन किया। जिसकी सभी ग्रामवासियों ने सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश त्रिपाठी ने कहा कि यह जो बच्चे इतना सुंदर प्रस्तुति दे रहे हैं इसमें कहीं ना कहीं उनके माता-पिता के संस्कारों का फल है। छोटे-छोटे बच्चों ने जो देश का भविष्य है उनके जीवन को सुंदर बनाना है तो अभी से ही प्रयास करना चाहिए। यह बहुत सराहनीय है कि इतने कम समय में बच्चों तैयारी कर बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। इन बच्चों के उत्कृष्ट कार्यों को देखकर हम इस गांव को बहुत ही कम समय में आदर्श गांव के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि भारत देश की नींव गांव से ही जुड़ी है। गांव देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। अत: गांव का समृद्ध होना ही देश का समृद्ध होना है। आदर्श गांव योजना प्रमुख प्रमोद आसरे ने सूर्या फाउंडेशन के द्वारा चल रहे कार्यों के बारे में सभी को अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि संपत राज सिंघवी जी ने बच्चों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। गांव के सरपंच जसवंत सिंह भाटी ने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया साथ ही साथ गांव के विकास में सभी ग्रामवासियों से सहयोग का आवाह्न करते हुए गांव को आदर्श गांव बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में 60 बच्चों ने प्रतिभाग किया तथा संचालन क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा ने किया। इस दौरान रैवतराम सोनी, सूर्या सेवा कार्यकर्ता पप्पू कुमार, मुकेश नाथ, राजपुरी, प्रकाश सोनी, श्री गुसाईं युवा समिति के सदस्यों के साथ समिति के अध्यक्ष नत्थूनाथ, बाबूलाल जैन (वार्ड पंच), भीखपुरी गोस्वामी, बाबूलाल टेलर, खींवराज सोनी, कन्हैयालाल सोनी, मौंछ कवर, हरि सिंह, सूरज सोनी, महेश नाथ, गजपुरी, धर्मेश, केवल चंद सोनी, मायादेवी, गीतादेवी, संतोष देवी, राजूसिंह (कृष्णा प्राइमरी स्कूल) सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मेजर जनरल ने की आदर्श नांदिया कलां की जल व पर्यावरण संरक्षण विजिट

नवज्योति/सोयला।

नांदिया कला जल तथा पर्यावरण संरक्षण में लगातार हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी होने पर मेजर जनरल नरपत सिंह राजपुरोहित ने नांदियाकला की विजिट की युवा सरपंच जसवंत सिंह भाटी ने बताया कि आदर्श गांव नांदिया कला में ग्राम वासियों के साथ मिलकर सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लेकर जल तथा प्रशिक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। सूर्या फाउंडेशन वासियों व सेवाभावी बंधुओं के साथ गांव के विकास कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि भांजा कला एक पर्यटक गांव नांदिया

केमिकल मुक्त धूपबत्ती, उपला और दीपक बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

स्वयं सहायता समूह महिला कमांडो और ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे

समदर्शी न्यूज ब्यूरो, रायपुर

आदर्श गांव पेंड्री सुकुलदैहान में 3 दिवसीय गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर का श्री कृष्ण राधा की स्मृति पर दीप प्रज्वलन कर उदघाटन किया गया, संजय तिवारी प्रशिक्षण प्रमुख (सूर्या फाउंडेशन) दुर्गेश साहू, (मितान क्लब एवं संगठन अध्यक्ष) सहित ग्राम पंचायत की महिला पंच जनों की उपस्थिति में पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

जिसमें धूपबत्ती, उपला और दीपक जो केमिकल मुक्त है प्राकृतिक बनाना सिखाया गया साथ ही वर्ग के दौरान साबुन एवं गोनाइल (फिनाईल) मंजन बनाने की प्रक्रिया सिखाई जायेगी इस दौरान स्वयं सहायता समूह महिला कमांडो और ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि सहित 50 माताएं बहने उपस्थित रही।

मुख्य अतिथि नें उद्बोधन में कहा कि आज की भागदौड़ भरी दिनचर्या में गांव की महिलाओं के पास खेत खलियान और बाड़ी के साथ साथ विभिन्न प्रकार के अन्य कार्य और परिवार में बच्चों की जिम्मेदारी बढ़ती जा रही ऐसे समय में घर में रहते हुए इस प्रकार के कार्य को करना और संयम के साथ परिवार को आत्म निर्भरता की ओर ले जाने में यह गो उत्पाद प्रशिक्षण महिलाओं के लिए अनुकरणीय परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त करेगा सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन पदमश्री श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी, कि गांव में सामाजिक परिवर्तन और आत्मनिर्भरता की परिकल्पना वाकई में समाज को उठ खड़े होने में और आगे बढ़ने में सहयोग प्रदान कर रही है चाहे वह शिक्षा हो स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो या फिर युवा और माताओं बहनों सहित किसानों के उत्थान के कार्य हो इन सभी क्षेत्रों में सूर्या फाउंडेशन के कार्यों की परी परिवर्तन की बेला देखी जा रही है

ग्राम बसई में किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन-आदर्श गांव योजना के अंतर्गत गांव में विभिन्न प्रकार के आयाम जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, समरसता, स्वालंबन व स्वरोजगार के दिशा में काम कर रहा हैं। इतना ही नहीं कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में भी संस्था किसानों को जागरूक करने का काम कर रही हैं। गांव में प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाता हैं। आज के समय में किसान ज्यादा ज्यादा फसल लेने के लालच में बहुत अधि क रसायनिक खाद एवं कीटनाशक दवाओं का प्रयोग कर रहे हैं। फल स्वरुप खेत बंजर होते जा रहे हैं।साथ ही रासायनिक खाद वाले अन्न खाकर लोग बीमार पड़ रहे हैं। मिट्टी की उर्वक शक्ति को बढ़ाने एवं लोगों को बीमार होने से बचाने एवं फसल बीमा के लाभ की जानकारी हेतु फाउंडेशन द्वारा आदर्श गाँव बसई के मंझरा में किसान गोष्ठी का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसान भाइयों को संबोधित करते हुए ओमपाल ने बताया कि पहले किसान जैविक तरीके से ही खेती करते थे। भले ही कम अन्न उपजता था। लेकिन वह पौष्टिक होता था। लोग बीमार नहीं होते थे। हमें अपने खेत को बंजर होने से बचाने के लिए पशुपालन को अपनाना पड़ेगा एवं रसायनिक खाद की जगह पर ऑर्गेनिक खाद का उपयोग करना चाहिए एवं सभी किसान भैया को भी जैविक खेती के लिए एक दूसरे को प्रेरित करना चाहिए। जिससे कि हम शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन ग्रहण कर सके। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री कोली जी ने बताया कि हम सभी किसान भाइयों को अपने फसल का बिना अवश्य करना चाहिए जिससे कि किसी भी प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना से फसल नष्ट, बर्बाद होता हैं तो हमे सरकार दौर उस फसल का भुकतान राशि मिल सके एवं बीमा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कुल 40 किसान उपस्थित रहे।